500 मेगावाट क्षमता जल्द ही जुड़ेगी राज्य विद्युत उत्पादन में

उ.प्र. राज्य विद्युत उत्पादन निगम व उ.प्र. जल विद्युत निगम लि. के निदेशक मण्डल की बैठक सम्पन्न

लखनऊ, 17 मई 2012:

बढ़ती हुई गर्मी व बिजली की मांग के बीच उ.प्र. राज्य विद्युत उत्पादन निगम व उ.प्र. जल विद्युत निगम लि. के निदेशक मण्डल की बैठक कल देर शाम यहाँ सम्पन्न हुई। बैठकों की अध्यक्षता राज्य के **अवस्थापना व औद्योगिक विकास आयुक्त** तथा प्रमुख सचिव ऊर्जा अनिल कुमार गुप्ता ने की, जबकि **उ.प्र. पावर कारपोरेशन लि. के अध्यक्ष व प्रबन्ध निदेशक**– अवनीश अवस्थी तथा **उ.प्र. राज्य विद्युत उत्पादन निगम के प्रबन्ध निदेशक**, धीरज साहू अन्य निदेशकों के साथ बैठक में उपस्थित थे।

बैठक में सूचित किया गया कि दो नई तापीय विद्युत परियोजनाएं – **250 मेगावाट हरदुआगंज** की इकाई सं. 9 **तथा 250 मेगावाट पारीछा** की इकाई सं. 5 **अगले माह जून में उत्पादन प्रारम्भ कर देंगी।** इससे राज्य क्षेत्र की तापीय विद्युत उत्पादन क्षमता बढ़ कर 4777 मेगावाट हो जाएगी। **आई.आई.डी.सी. अनिल कुमार गुप्ता** ने आशा व्यक्त की कि इससे बिजली की मांग को पूरा करने में कुछ हद तक राहत मिलेगी।

उ.प्र. राज्य विद्युत उत्पादन निगम लि. के प्रबन्ध निदेशक **धीरज साहू** ने सूचित किया कि वर्ष 2011–12 में राज्य क्षेत्र की विद्युत इकाइयों से कुल **18537.94 मिलियन यूनिट** उत्पादन हुआ जिसके आधार पर विद्युत विक्रय से **2011–12 में रु. 5112.47 करोड़** का राजस्व प्राप्त हुआ। वर्ष 2012–13 में बिक्री योग्य ऊर्जा **24491 मिलियन यूनिट** से कुल **रु. 7326.52 करोड़** का राजस्व अनुमानित है। वर्ष 2011–12 में कुल राजस्व व्यय **रु. 4515.79 करोड़** हुआ तथा वर्ष 2012–13 में **रु. 6078.32 करोड़** व्यय अनुमानित है। राजस्व प्राप्ति में से कुल राजस्व व्यय घटाने के बाद सकल परिचालन आधिक्य वर्ष 2011–12 में **रु. 631.67 करोड़** रहा जबकि वर्ष 2012–13 में यह राशि **रु. 1280.20 करोड़** सम्भावित है।

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा के बढ़ते महत्व के दृष्टिगत् **आई.आई.डी.सी. अनिल कुमार गुप्ता** की अध्यक्षता में **उ.प्र. जल विद्युत उत्पादन निगम** के निदेशक मण्डल की भी महत्वपूर्ण बैठक हुई। यह सूचित किया गया कि वर्ष 2011–12 में **924 मिलियन यूनिट के निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष 1431.51 मिलियन यूनिट का उत्पादन हुआ है। साथ ही निदेशक मण्डल ने खारा लघु जल विद्युत परियोजना (1500 किलोवाट) के निर्माण कार्य टर्न–की आधार पर ई.पी.सी. (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेन्ट, कन्सट्रक्शन) कान्ट्रेक्ट के माध्यम से आई.आई.टी. रूड़की से कराये जाने हेतु अनुमोदित किया।** यहाँ इस तथ्य का उल्लेख करना उचित होगा कि **राज्य में जल विद्युत उत्पादन की कुल क्षमता 526.7 मेगावाट है।**